

PHILOSOPHY

Paper - I (Indian Philosophy)

Time allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

Part-A

1. Define the following concepts (50 words each)
निम्नलिखित सम्प्रययों को परिभाषित कीजिये (प्रत्येक 50 शब्द)
 - (i) Bhoot Chaitanyavada भूत चैतन्यवाद
 - (ii) Paryaya पर्याय
 - (iii) Jara-Maran जरा मरण
 - (iv) Right mindfulness सम्यक् स्मृति
 - (v) Nirnaya निर्णय
 - (vi) Pratyabhijna प्रत्यभिज्ञा
 - (vii) Paramanu परमाणु
 - (viii) Pratyasarga प्रत्ययसर्ग
 - (ix) Ekagra एकाग्र
 - (x) Adhyasa अध्यास

Part-B

2. State and examine the Charvaka theory of knowledge.
चार्वाक के ज्ञान सम्बन्धी विचारों की व्याख्या एवं समीक्षा कीजिये।
3. What is the seven forms of judgement or Saptabhanginaya according to Jain philosophy?
जैन दर्शन के अनुसार सप्तभंगीनय क्या है?
4. What is the concept of "Vyapti" according to Nyaya Philosophy?
न्याय दर्शन के अनुसार 'व्याप्ति' का सम्प्रत्यय क्या है?
5. Explain Chitt Bhoomi according to Yoga.
योग दर्शन के अनुसार 'चित्त भूमि' को समझाइये।
6. Explain the Remanuja's concept of soul.
रामानुज के अनुसार आत्मा सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिये।

Part-C

Unit-I

7. Explain and examine the non-self (Anatmvada) according to Buddhism.
बौद्ध दर्शन के अनुसार अनात्मवाद की व्याख्या तथा समीक्षा कीजिये।
8. Explain the Jains conception of substance.
जैन दर्शन के अनुसार द्रव्य के सम्प्रत्यय की व्याख्या कीजिये।

Unit-II

9. Discuss the nature and classification of perception (Pratyaksh) according to Nyaya.
न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप व भेदों की व्याख्या कीजिये।
10. Why is Sankhya system called dualistic? Do you accept the Sankhya argument for dualistic metaphysics?
सांख्य दर्शन को द्वैतवादी क्यों कहा जाता है? क्या न्याय उससे सहमत है?

Unit-III

11. Explain Sankara's doctrine of Moksha.
शंकर के मोक्ष सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।
12. Explain Ramanuja's conception of world.
रामानुज के जगत के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।